NCERT Solutions For Class 9 Hindi (Sparsh)

CH 6 – पद

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

पहले पद में भगवान और भक्त की निम्नलिखित चीजों से तुलना की गई है:

उत्तर:

- भगवान की तुलना चंदन से की गई है और भक्त की तुलना पानी से ।
- भगवान की तुलना घन बन से की गई है और भक्त की तुलना मोर से।
- भगवान की तुलना चाँद से की गई है और भक्त की तुलना चकोर से।
- भगवान की तुलना दीपक से की गई है और भक्त की तुलना बाती से।
- भगवान की तुलना मोती से की गई है और भक्त की तुलना धागे से |

(ख) पहले पद की प्रत्येक पंक्ति के अंत में तुकांत शब्दों के प्रयोग से नाद-सौंदर्य आ गया है, जैसे-पानी, समानी आदि। इस पद में से अन्य तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए।

उत्तरः पहले पद में से अन्य तुकांत शब्द हैं:

- चंदन - जल
- घन - मन
- चाँद - ताँद
- दीपक - बिखक
- मोती - बुनती

(ग) पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबद्ध हैं। ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए-

उत्तर: पहले पद में अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबद्ध शब्द हैं:

- चंदन और जल
- चाँद और चकोर
- दीपक और बाती
- मोती और धागा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' भगवान को कहा है। इस शब्द के माध्यम से कवि भगवान की उस विशेषता की ओर इशारा कर रहे हैं कि वे गरीबों और निर्धन लोगों के प्रति बहुत दयालु और मददगार हैं। भगवान उन लोगों की भलाई और सहायता करते हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में होते हैं।

(ङ) दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इस पंक्ति का आशय है कि जिस व्यक्ति को भगवान की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है, उसकी किसी भी गलती या कमी को भगवान खुद सुधारते हैं और उसके प्रभाव को दुनिया पर नहीं पड़ने देते। यानी, भगवान अपने भक्त की किसी भी त्रुटि या कमी को क्षमा कर देते हैं और उसकी सुरक्षा करते हैं।

(च) "रैदास' ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है?

उत्तर: "रैदास ने अपने स्वामी को निम्नलिखित नामों से पुकारा है:

- चंदन - घन
- चाँद
- दीपक - मोती

(छ) निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए-

उत्तर:

1. मोरा: मेरा
2. चंद: चाँद
3. बाती जोति: बाती की ज्योति
4. बरै बड़ा
5. राती रात
6. छत्र: छात्र
7. धेरै धारण करता
8. छोति: क्षति
9. तुहीं: तुम
10. गुसईआ: गुरु

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. नीचे लिखी पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) जाकी अँग- अँग बास समानी

(ख) जैसे चितवत चंद चकोरा

(ग) जाकी जोति बरै दिन राती

(घ) ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै

(ङ) नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै

उत्तर:

(क) इस पंक्ति का भाव यह है कि जिस व्यक्ति के हर अंग में भगवान की महक बसी हुई हो, वह व्यक्ति सच्चे भक्त और भक्तिरस में निमग्न होता है। यहाँ "बास" से तात्पर्य है भगवान की उपस्थिति या कृपा जो हर अंग में समाई हुई है।

(ख) यह पंक्ति यह दर्शाती है कि जिस प्रकार चकोर पक्षी चंद्रमा की ओर निरंतर निहारता है और उसकी ओर अपनी पूरी ध्यान केंद्रित करता है, वैसे ही भक्त भी अपने प्रभु की ओर पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ देखता है। यह भाव भक्त की प्रभु के प्रति गहरी चाहत और प्रेम को व्यक्त करता है।

(ग)इस पंक्ति का भाव है कि जिस व्यक्ति के भीतर प्रभु की ज्योति यानी भक्ति का प्रकाश दिन-रात स्थिर रहता है, वह व्यक्ति हर समय प्रभु की भक्ति और प्रेम में समाहित रहता है। यह उन भक्तों के में है जिनके दिल और मन में प्रभु की ज्योति का अद्वितीय और निरंतर प्रकाश है।

(घ) इस पंक्ति में कवि अपने प्रभु से कहते हैं कि ऐसी लालसा और भक्ति, जो केवल तुमसे जुड़ी है, किसी और के साथ नहीं हो सकती। यहाँ पर "लाल" का अर्थ है गहरी और सच्ची भक्ति या प्रेम, जो विशेष रूप से प्रभु के प्रति है और किसी और के प्रति नहीं हो सकती

(ङ) इस पंक्ति का भाव है कि प्रभु गोबिंद (कृष्ण) किसी भी नीच को ऊच बना सकते हैं और वे किसी से हीं हैं। प्रभु की शक्ति और दया इतनी बड़ी है कि वे सामाजिक पद और स्थिति की परवाह किए बिना सबको समान मानते हैं और किसी भी स्थिति में सक्षम होते हैं।

3. रैदास के इन पदों का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

- **पहले पद का केंद्रीय भावः** राम का नाम अब रैदास से अलग नहीं हो सकता। उन्होंने राम के नाम को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है, और वह पूरी तरह से उनके प्रति समर्पित और अनन्य भक्त हैं।
- **दूसरे पद का केंद्रीय भाव:** प्रभु दीन दयालु, कृपालु, और सर्वशक्तिमान हैं। वे अपनी कृपा समाज में नीच समझे जाने वाले लोगों को भी उच्च स्थान दे सकते हैं। वे वास्तविक उद्धारकर्ता हैं, जो बिना किसी डर के सभी की सहायता करते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in